



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 204]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 1, 1983/अग्रहायण 10, 1905

No. 204] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1983/AGRAHAYANA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य संचालय

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर 1983

विषय: 1983-84 के दौरान जीवित भैंस और जीवित भेड़ों
की निर्यात नीति के संबंध में शर्तें।

सार्वजनिक सूचना सं०: 59-ईटीसी(पीएन)/83.—अप्रैल
1983-मार्च 84 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-2) की
पृष्ठ सं० 8 पर के नीति विवरण की क्रम सं० 2 और 3
के सामने यथा संकेतित जीवित भैंस और जीवित भेड़ों की
निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. इस बात का सुनिश्चित करने के लिए कि केवल स्वस्थ
पशु ही निर्यात किए जाते हैं निश्चित किया गया है कि
जीवित भैंस और जीवित भेड़ों के वास्तविक निर्यात से पूर्व
उन्हें न्यूनतम 21 दिन तक के लिए संगरोधन अवस्था में
रखा जाएगा और इस अवधि के दौरान पशुओं का निरीक्षण
किया जाएगा और टीके (वैक्सिनेशन) लगाए जाएंगे। इस

अवधि के दौरान भेड़ों को पशु प्लेग, खुर और मुंह की बीमारी
और भेड़ों को होने वाली चेचक से बचाने के लिए टीके लगाए
जाएंगे। इसी प्रकार से भैंस को भी पशु-प्लेग खुर और मुंह
की बीमारी से बचाने के लिए टीके लगाए जाएंगे और तपेदिक
और ब्रूसेल्लेसिस के लिए भी उनकी जांच की जाएगी।

3. तदनुसार, 1983-84 के लिए आयात-निर्यात नीति
(जिल्द-2) की पृष्ठ सं० 8 पर के नीति विवरण की क्रम
सं० 3 के सामने के कालम-3 में निम्नलिखित उप-शर्त (4)
को जोड़ा जाएगा।

"(4) न्यूनतम 21 दिन की अवधि के लिए भेड़ों का
संगरोधन और इस अवधि के दौरान भेड़ों को
पशु-प्लेग खुर और मुंह और भेड़ों
को होने वाली चेचक के लिए निरीक्षण किए
जाएंगे और टीके लगवाये जाएंगे।

4. जहां तक जीवित भैंस का संबंध है उपर्युक्त कंडिका-2 में
उल्लिखित शर्तें निर्यात (नियंत्रण) संशोधन आदेश सं० ई(सी)

और 1977/एएम (279) दिनांक 1 दिसम्बर 1983 के अनुसार खूबे सामान्य लाइसेंस-3 में निविष्ट कर भी गई है।

5. जीवित भैंस और भेड़ों के निर्यात के लिए निम्नलिखित क्रियाविधि अपनाई जाएगी :

- (1) जीवित भैंस और भेड़ों के निर्यात की अनुमति केवल बंबई और काडला के पत्तनों से दी जाएगी।
- (2) भारत सरकार के संपूर्ण पर्यवेक्षण के अधीन संगरोधन किया जाएगा। बंबई से निर्यात की जाने वाली जीवित भैंस और भेड़ों और काडला पत्तन से निर्यात की जाने वाली भैंस और भेड़ों के संबंध में जीवित पशुओं के निर्यात की अनुमति देने से पूर्व संगरोध के संबंध में भारत सरकार की ओर से प्रमाणपत्र जारी करने के लिए क्रमशः निदेशक, पशुपालन, महाराष्ट्र या उनकी ओर से प्राधिकृत अन्य प्राधिकारी और निदेशक, पशुपालन, गुजरात या उनकी ओर से प्राधिकृत अन्य प्राधिकारी प्राधिकृत होंगे। राजस्थान राज्य के भीतर संगरोधन में रखी गई भेड़ों के संबंध में प्रमाणपत्र निदेशक, भेड़ तथा ऊन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी किया जाएगा।
- (3) जीवित भैंस और भेड़ों के निर्यात करने वाले इच्छुक संगरोधन के प्रयोजन के लिए आहूत प्रदान करेंगे। विनाश संरचना से संबंधित सुविधाओं के प्रयोजन के लिए आहूत का निरीक्षण पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा के राज्य निदेशक द्वारा किया जाएगा और आहूत के निरीक्षण के पश्चात् ही उसे निर्यात से पूर्व संगरोधन के कार्य के प्रयोजन के लिए अनुमोदित संगरोधन स्टेशन बोधित किया जाएगा।
- (4) संगरोधन के अधीन सभी पशुओं की पहचान "कान पर लगे टैग" से की जाएगी। प्रमाणित प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए संगरोधन प्रमाण पत्र में "कान पर लगाने वाले टैग" की संख्या का उल्लेख किया जाएगा।
- (5) पशुओं का टीका लगाने के लिए कर्ण टैगों और टीका द्रव्य की कीमत निर्यातक देंगे।

6. उपर्युक्त कंडिका 5 में निर्धारित संगरोधन की क्रियाविधि उन मामलों में बाध्यकर नहीं होगी, जहां पर संगरोधन की सुविधाओं के बिना ही निर्यात के लिए विदेशी क्रेताओं ने विशेष रूप से संविदाएं कर ली हैं। इस संबंध में निर्यातक-पत्तन पर संबंध सीमा-शुल्क प्राधिकारी का संविदा (मूल प्रति) प्रस्तुत करेंगे।

7. भेड़ों के निर्यात के संबंध में परिवर्तन से पूर्व किए गए सौद केवल उस मात्रा के लिए स्वीकार कर लिए जाएंगे, जिसके लिए लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पहले से ही लाइसेंस

जारी कर दिए गए हैं और वे परिवर्तन मात्र पत्र से समर्थित हैं। जीवित भैंस के मामले में परिवर्तन से पूर्व किए गए सौदे 1983-84 के लिए आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक की कंडिका-226 के अनुसार स्वीकार किए जाएंगे।

8. जीवित बकरियों के निर्यात की अनुमति अब तक किसी भी संगरोधन और टीके से संबंध औपचारिकताओं के बिना दी जाती रहेगी किंतु वह सामान्य चिकित्सा निरीक्षण और प्रमाणन के अधीन होगी।

[मसिल सं० 34(4)/83-ई० 2 से जारी]

प्र० च० जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 1st December, 1983

Subject :—Export Policy of Live Buffaloes and Live Sheep during 1983-84—Conditions regarding.

Public Notice No. 59-ETC(PN)/83.—Attention is invited to export policy of Live Buffaloes and Live Sheep as indicated against S. No. 2 and 3 of the Policy Statement at page 8 of Import and Export Policy April, 1983—March, 1984, (Vol. II).

2. In order to ensure that only healthy animals are exported it has been decided that Live Sheep and Live Buffaloes before actual export will be kept in Quarantine for a minimum period of 21 days during which period the animals will be subjected to inspection and vaccination. During this period the Sheep will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep pox. Similarly, buffaloes will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and will also be tested for Tuberculosis and Brucellosis.

3. Accordingly in col. 3, against S. No. 3 of the Policy Statement at page 8 of Import and Export Policy Book 1983-84 (Vol. II) the following sub-condition No. (iv) shall be added :—

“(iv)—Quarantine of Sheep for a minimum period of 21 days during which period the Sheep will be subjected to inspection and vaccination for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep Pox”.

4. As regards export of Live Buffaloes, conditions mentioned in paragraph 2 above have been incorporated in OGL-3 vide Exports (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977/AM(279) dated the 1st December, 1983.

5. The following procedure will be followed for export of Live Buffaloes and Sheep :—

- (i) Export of Live Buffaloes and Sheep shall be allowed from Bombay and Kandla ports only.
- (ii) The Quarantine would be done under the overall supervision of Government of India. The Director of Animal Husbandry, Maharashtra or any other officer authorised on his behalf for Live Buffaloes and Sheep intended to be exported from Bombay and the Director of Animal Husbandry, Gujarat or any other officer authorised on his behalf for Live Buffaloes and Sheep to be exported from Kandla port respectively are authorised to issue a certificate on behalf of Government of India in respect of quarantine, before export of live animals is allowed. Director, Department of Sheep and Wool Rajasthan, would issue certificate in respect of sheep put up in quarantine within the State of Rajasthan.
- (iii) The exporters interested to export Live Buffaloes and Sheep would offer premises for purpose of quarantine. The premises would be inspected by the State Directors of Animal Husbandry and Veterinary service for the purpose of infrastructure facilities and after examination of the premises, the same will be declared as approved quarantine stations for the purpose of undertaking quarantine prior to export.

(i) All animals subjected to quarantine would be identified by 'Ear Tag'. The number of 'Ear Tags' shall be mentioned in the certificate of the quarantine issued by the certifying authority.

(v) The exporters would pay the cost of the Ear Tags and vaccines used for the vaccination of the animals.

6. Quarantine procedure laid down in paragraph 5 above may not be insisted upon where the foreign buyers have specifically contracted for export without quarantine formalities. Exporters shall produce contract (in original) to this effect to the concerned customs authority at the ports.

7. Pre-change commitment in respect of sheep shall be honoured only for the quantities for which the export licences have already been issued by the licensing authorities and is backed by irrevocable letter of credit. In respect of Live Buffaloes pre-change commitment shall be honoured in terms of paragraph 226 of the Hand Book of Import and Export Procedure 1983-84. In case of pre-change commitment quarantine procedure shall not be applicable.

8. Export of Live Goats shall continue to be allowed without any quarantine and vaccination formalities, and would be subjected to general Veterinary Inspection and certification as hitherto.

[File No. 34(4)'83-EII]

P. C. JAIN,

Chief Controller of Imports and Exports

